3251 ... 1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रू. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

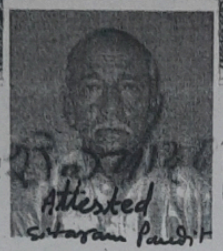

Attested

15.10.2005

3000

<u>बिक्रय पत्र कीमत कुल 75,000/-रूपये मात्र</u>

<u>बिकेता</u>–श्री सुर्दशन यादव पिता स्वर्गीय बुधन यादव, धर्म हिन्दू भारतीय, पेशा व्यवसाय, साकिन मधुपुर, थाना मधुपुर, सबडिविजन मधुपुर, सबरजिष्ट्री, व जिला देवघर।

<u>केता</u>–श्रीमती दुर्गा देवी पति श्री हरेन्द्र यादव, जाति ग्वाला, पेशा गृहस्वामीनी, साकिन बड़ाशेखपुरा,थाना व सबडिविजन मधुपुर, सबरजिष्ट्री व जिला देवघर। राष्ट्रीयता भारतीय।

<u>लेख्य प्रकार</u>–बिकय पत्र।

15-10-05

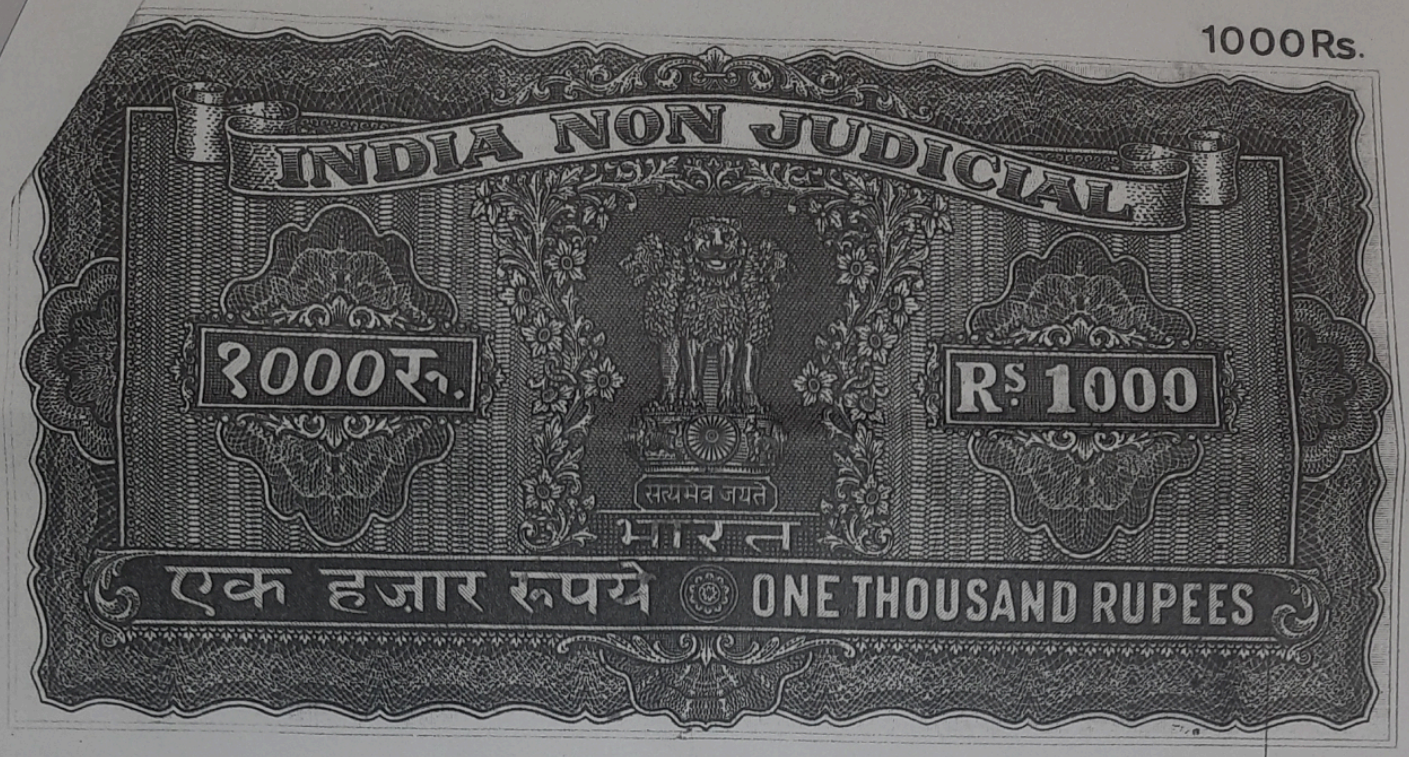

1000Rs.

15.10.2005

<u>बिक्रीत सम्पत्ति की कीमत</u>–कुल 75,000/–पचहत्तर हजार रूपये मात्र।

<u>बिक्रीत सम्पत्ति का विवरण</u>–निम्न अनुसूची सम्पत्ति में वर्णित है।

विदित हो कि जिला संथाल प्रगना, वर्तमान जिला देवघर, सबडिविजन, सबरजिष्ट्री देवघर, हाल सबडिविजन मधुपुर, थाना मधुपुर, तालुक पाथरोल, सामील मौजा बड़ाशेखपुरा न0 272 के अन्दर बसौड़ी सत्व की जमीन रकवा 2 दो बीघा 14 चौदह कटठा, तदुपरिस्थित मकान आदि, अन्दर बसौड़ी महाल टाउन ''क'', अन्दर थोका न0 36, अन्दर हलका मधुपुर नगरपालिका वार्ड न0 15, होल्डिंग न0 146 के मालिक व अधिकारी देवनारायण कुण्डु रहते हुए निर्विवाद रूप से भोग दखल करते रहे।

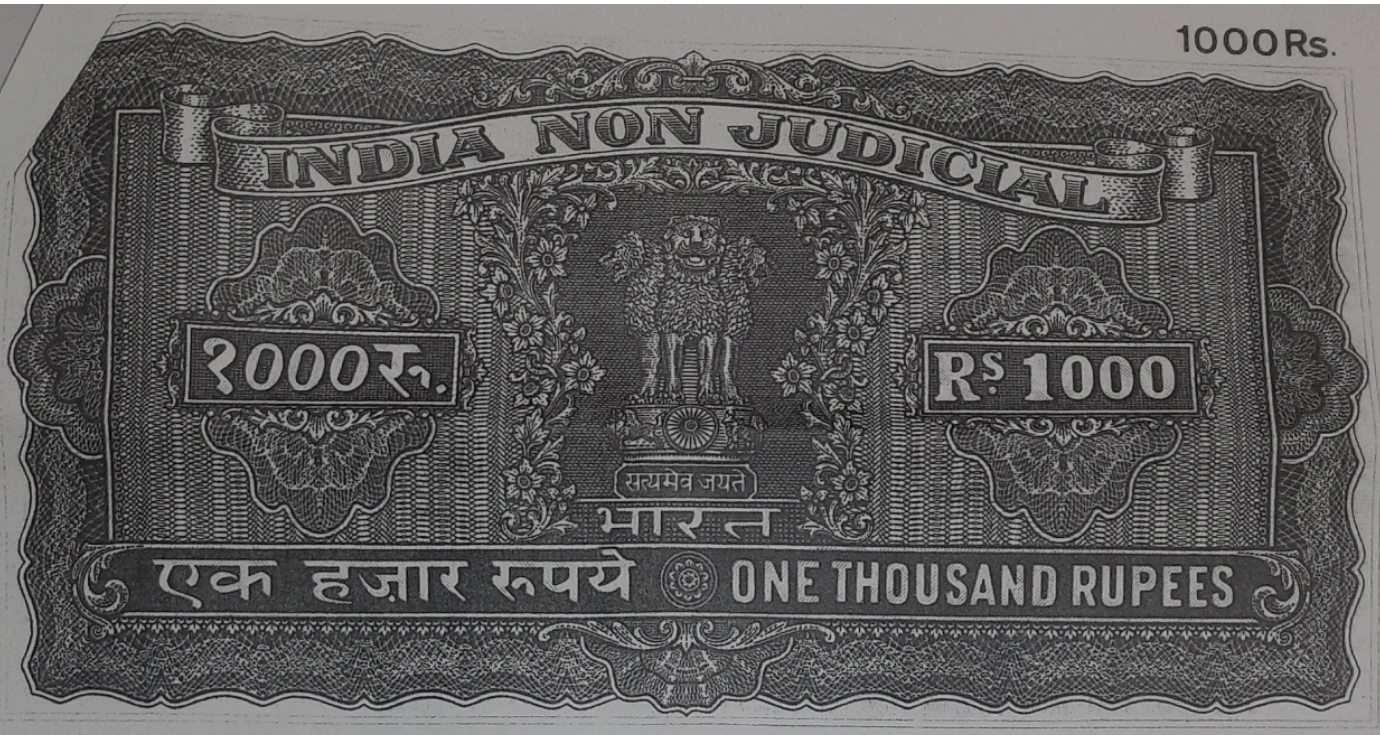

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

15.10.2005

उपर्युक्त श्री देवनारायण कुण्डु ने निबंधन कार्यालय देवघर से निबंधित एक कीता बिक्रय पत्र पुस्तक संख्या 01, जिल्द संख्या 05, पृष्ठ संख्या 408 से 411 में निबंधित जिसकी संख्या 1196 वर्ष 1958 ईस्वी के द्वारा उक्त सम्पत्ति को श्री भोला सिंह पिता स्वर्गीय काशी सिंह साकिन बड़ाशेखपुरा, थाना मधुपुर, जिला देवघर के निवासी के पास बिक्री कर दिया।

उपर्युक्त श्री भोला सिंह उक्त खरीदगी सम्पत्ति रकवा 2 दो बीघा 14 चौदह कटठा मय मकानादि अन्दर थोका न0 36, अन्दर हलका मधुपुर नगरपालिका वार्ड न0 15, हौल्डिंग न0 146 पर दखल कब्जा लेकर तथा तत्कालीन सिरिस्ता में अपना नाम दर्ज करवाकर वार्षिक मालगुजारी व टैक्स आदि आदाय करते हुए वहैसियत पुर्ण मालिक भोगवान व दखलकार हुए।

उपर्युक्त भोला सिंह पिता स्वर्गीय काशी सिंह, साकिन बड़ाशेखपुरा, थाना मधुपुर, जिला देवघर के निवासी ने दिनांक 10/03/1987 ईस्वी में निबंधन कार्यालय कलकत्ता से निबंधित एक किता बिक्रय पत्र पुस्तक संख्या 1, जिल्द संख्या 79, पृष्ठ संख्या 67 से 76 में निबंधित जिसकी संख्या 2624 वर्ष 1987 ईस्वी के द्वारा, रकवा 2 दो बीघा 13 तेरह कटटा, मय मकानादि, अन्दर थोका न0 36, अन्दर बसौड़ी महाल टाउन ''क'', अन्दर हलका मधुपुर

नगरपालिका वार्ड न0 15, होल्डिंग न0 146 बमोजीव उक्त दस्तावेज के संलग्न नक्शा में लाल रंग से घिरा अंश मय कुल हक हकुक, उपर्युक्त मुझ बिक्रेता श्री सुर्दशन यादव के पास बिक्री कर दिया।

उपर्युक्त मैं बिक्रेता श्री सुर्दशन यादव उक्त खरीदगी सम्पत्ति पर दखल कब्जा लेकर तथा अंचल कार्यालय मधुपुर में नामान्तरण वाद संख्या 84/1988–89 के द्वारा अपना नाम दर्ज करवाकर थोका न0 36/14 के बावत वार्षिक मालगुजारी आदाय करते हुए व उसपर बहैसियत पूर्ण मालिक निर्विवाद रूप से भोगवान व दखलकार रहते हुए इसके पहले कुछ अंश को बिक्री भी कर चुका हूँ।

अभी मुझ बिक्रेता को अपने आवश्यक जरूरी सांसारिक खर्च के लिये रूपये की सख्त जरूरत है, इसलिये अवशेष सम्पत्ति के अन्दर रकवा 3,400 वर्गफीट जिसका पुर्ण विवरण निम्न अनुसूची सम्पत्ति में वर्णित है, को बिक्री करने का ऐलान किया।

आप क्रेता इसे अभी के बाजार भाव से अधिकतम कीमत पर अपने संचित स्त्रीधन से खरीद करने की इच्छा जाहिर करने पर उभय पक्ष की मंजुरी से इसकी कीमत कुल 75,000/–पचहत्तर हजार रूपये कायम हुए।

अतएव आज तारीख मैं बिक्रेता, आप क्रेता से कीमत के कुल रूपये लेकर निम्न अनुसूची सम्पत्ति में वर्णित सम्पत्ति जो संलग्न नक्शा में लाल रंग से रंगा अंश में दिखाया गया है, मय कुल हक हकुक, आप क्रेता के पास बिक्री कर दिया ओर आपके दखल कब्जे में दिया।

अब आप क्रेता, मुझ बिक्रेता के सत्व व दखल से सत्ववती व दखलकारीणी होकर मय अपने उत्तराधिकारी मय वारिसान व स्थलाभिषिक्तगण क्रम से भोग, दखल, दान, बिक्री, मोरगेज व नाना प्रकार के वारदेन व हस्तान्तरण आदि करने की अधिकारीणी होकर स्वेच्छा पुर्वक भोग दखल करती रहें, इसमें मुझ बिक्रेता मय वारिसान को किसी भी तरह की उज्र आपत्ति नहीं होगी न कोई कर सकेगा। अगर कोई करे तो वह न्यायालय से निरस्त होगा।

निम्न बिक्रीत सम्पत्ति का मैं बिक्रेता ही एकमात्र मालिक हूँ, इसमें दुसरा कोई अंशदार या दखलकार नही है व इसके पहले निम्न सम्पत्ति को किसी के पास किसी तरह का दाय–संयुक्त या हस्तान्तरण आदि नहीं किया हूँ। हर तरह से साफ व पाक है।

निम्न बिक्रीत सम्पत्ति के सम्बन्ध में अगर भविष्य में मुझ बिक्रेता मय वारिसान को कुछ लिखना या करना पड़ेगा तो ऐसी स्थिति में आप क्रेता मय वारिसान के अनुरोध व खर्च से वैसा लिखने व करने को तैयार रहूँगा।

अतएव आज तारीख मैं बिक्रेता स्वेच्छा से मन व शरीर की स्वस्थता में रहकर बिना किसी के दवाब या बहकावे कीमत के कुल रूपये लेकर यह बिक्रय पत्र लिख दिये जो प्रमाण रहे दिनांक 15/10/2002

अनुसूची सम्पत्ति

थाना नं0 272,जिला देवघर, सबडिविजन मधुपुर, सबरजिष्ट्री देवघर, थाना मधुपुर, सामिल मौजा बड़ाशेखपुरा के अन्दर बसौड़ी सत्व की जमीन, रकवा 3,400 वर्गफीट (तीन हजार चार सौ वर्गफीट), अन्दर बसौड़ी महाल टाउन "क", अन्दर थोका न0 36/14, अन्दर हलका मधुपुर नगरपालिका वार्ड न0 15, हौल्डिग न0 146 जो संलग्न नक्शा में लाल रंग से रंगा अंश में दिखाया गया है, मय कुल हक हकुक बिक्री किया जिसकी चौहद्दी—–
उत्तर–बिक्रेता की जमीन बाद उसके 12′–00″ फीट चौड़ा प्रस्तावित रास्ता।

इधर की लम्बाई पुरबा पश्चिमा 85′–00″ फीट।

दक्षिण–05′–00″ फीट चौड़ा कॉमन गली।

इधर की लम्बाई पुरबा पश्चिमा 85′–00″ फीट।

पुरब–कच्चा रोड।

इधर की चौड़ाई उत्तरा दखिना 40′–00″ फीट।

पश्चिम–बिक्रेता की जमीन व मकान।

इधर की चौड़ाई उत्तरा दखिना 40′–00″ फीट।

घोषणा–उक्त बिकीत सम्पत्ति पक्की सड़क से 131 फीट से अधिक दुरी पर है। निर्धारित मुल्यांकन के अनुसार स्टाम्प दिया गया है।

गवाहान

Papu Kumar Sil S/o late Nandan Nath Sil
Chak Sheikhpur, "Sil Villa", At Sil Road P
Madhupur - 815353 15/10/05

नाम - मनबाबू यादव
पिता - सुदर्शन यादव
पता - बड़ी शीतला
पंच मंदिर रोड,
मधुपुर
ता: - 15 - 10 - 2005,

दस्तावेज पढ़कर फरीकैन को सुना व समझा दिया प्रारूप कर्ता सीताराम पंडित डीडरायटर देवघर, दिनांक 15/10/2005

केता का फोटो, हस्ताक्षर एवं टीप निशान———

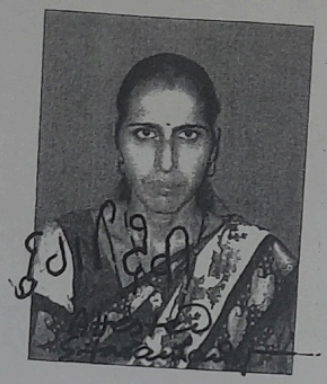

दुर्गादेवी

प्रमाणित किया जाता है कि प्रत्येक फोटो जो इस दस्तावेज में लगाये गये हैं के, बॉये हाथ के अंगुलियों के निशाना मेरे द्वारा लिये गये है सीता राम पंडित
डीडरायटर देवघर, दिनांक 15/10/2005